Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-I (H)
Paper-II
Date:- 04-08-2020

GROUPS

Factors of Group cohesiveness
समूह समग्रता को प्रभावित करनेवाले तत्व
Factors influencing Group cohesiveness

समाज मनोवैज्ञानिकों ने बहुत से ऐसे कारकों (Factors) या चरों (variables) का भी अध्ययन किया है, जिससे समूह समग्रता प्रभावित होता है। दूसरे शब्दों में, कुछ ऐसे कारकों का भी अध्ययन किया गया है जिसमें समूह की समग्रता घटती या बढ़ती पायी गयी है। जिसका कुछ प्रमुख कारक निम्नांकित है।

(I) (i) आवश्यकताओं की संतुष्टि (Satisfaction of needs):- समूह समग्रता इस बात से सीधे प्रभावित होती है कि समूह में भिन्न-भिन्न कोटी (Ranks) के सदस्य होता है। कुछ सदस्य प्राथमिक (Primary) होते है तथा कुछ सदस्य गौण (Secondary) होते है। प्राथमिक सदस्यों की भूमिका (role) समूह के लिए गौण सदस्यों की भूमिका के अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण होती है। फलस्वरूप समूह प्राथमिक सदस्यों की अधिकतर आवश्यकताओं की एवं गौण सदस्यों की कुछ खास खास आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। समाज मनोवैज्ञानिकों का विचार है कि जिस समूह में दोनों तरह के सदस्यों की अधिकतर आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, वह समूह सदस्यों के लिए अधिक आकर्षक होता है तथा उसमें समूह समग्रता (group cohesiveness) अधिक होती है।

Scanned with CamScanner

अगर किसी कारणवश सदस्यों की आवश्यकताओं की संतुष्टि समूह द्वारा नहीं हो पाती है, तो ऐसी परिस्थिति में समूह सदस्यों के लिए आकर्षक नहीं रह जाता है और उसका अस्तित्व (existence) ही खतरे में पड़ जाता है।

(ii) (ii) समूह लक्ष्य (Group goals):- प्रत्येक समूह का एक लक्ष्य (goals) होता है जिसे हम समूह लक्ष्य (group goal) कहते हैं। समूह का प्रत्येक सदस्य का इस लक्ष्य में एक सामान्य विश्वास होता है। इस समूह लक्ष्य के अलावा सदस्यों का अपना वैयक्तिक लक्ष्य (individual goal) भी होता है जो प्रायः छिपा होता है। उदाहरणार्थ, डाक्टरों के समूह का लक्ष्य (group goal) मानव जाति का कल्याण करना हो सकता है परन्तु कुछ डाक्टरों का अपना वैयक्तिक लक्ष्य अधिक से अधिक धन कमाना या अधिक से अधिक सामाजिक सम्पर्क बनाना भी हो सकता है। समाज मनोवैज्ञानिकों का सामान्य मत यह है कि जब समूह का लक्ष्य (group goal) तथा सदस्य के वैयक्तिक लक्ष्य (individual goal) में संगति (congruence) होती है तो समूह समग्रता अधिक होती है। परन्तु यदि इन दोनों तरह के लक्ष्यों में किसी तरह की असंगति (incongruence) उत्पन्न हो जाती है, तो समूह में समग्रता (cohesiveness) की कमी हो जाती है, और समूह सदस्य लक्ष्य (goal) को गौण (secondary) समझकर अपने वैयक्तिक लक्ष्य को प्रधान समझने लगता है। ऐसी परिस्थिति में समूह समग्रता (group cohesiveness) कम हो जाती है। फेल्डमैन (Feldman, 1985) के शब्दों में - "वैसे समूहों की समग्रता जिसमें समूह के लक्ष्य तथा समूह सदस्यों के लक्ष्य में संगति होती है, उन समूहों की समग्रता से अधिक होती है जिसके सदस्य समूह के लक्ष्य के साथ भागीदारी नहीं करते।"

शेष Next class

Scanned with CamScanner